Early Mediaeval Europe (लगभग 5वीं से 10वीं शताब्दी) की आर्थिक स्थिति को समझने का सबसे आसान तरीका है—
रोमन आर्थिक व्यवस्था के टूटने के बाद यूरोप कैसे जी रहा था?
यह काल मूलतः आर्थिक संकुचन, ग्रामीणकरण और आत्मनिर्भरता का युग था।
मैं इसे बिल्कुल समझाने के लिए क्रम से रख रहा हूँ।
1. रोमन अर्थव्यवस्था का पतन
पश्चिमी रोमन साम्राज्य के पतन के साथ ही—
सड़कों और व्यापार मार्गों का नाश
नगरों का पतन
कर-व्यवस्था और प्रशासन का टूटना
सिक्कों का चलन बहुत कम हो जाना
➡️ Money economy → Natural economy
(मुद्रा आधारित अर्थव्यवस्था से वस्तु आधारित अर्थव्यवस्था)
2. कृषि आधारित अर्थव्यवस्था
Early mediaeval Europe की अर्थव्यवस्था लगभग पूरी तरह—
👉 कृषि पर आधारित थी
अधिकांश लोग किसान थे
उत्पादन स्थानीय खपत के लिए
खेती तकनीकी रूप से पिछड़ी
उपज कम और अस्थिर
अकाल और भुखमरी आम बातें थीं।
3. मैनर प्रणाली (Manorial System) – आर्थिक ढांचा
यह इस काल की मुख्य आर्थिक इकाई थी।
मैनर में होता क्या था?
एक सामंत (Lord)
उसकी ज़मीन
उस पर काम करने वाले किसान / सर्फ़
किसान—
ज़मीन जोतते
कर + बेगार देते
बदले में सुरक्षा पाते
➡️ आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था
बाहर से बहुत कम चीज़ें आती थीं।
4. व्यापार और नगरों की स्थिति
(क) आंतरिक व्यापार
अत्यंत सीमित
स्थानीय हाट-बाज़ार
वस्तु-विनिमय (Barter)
(ख) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
लगभग समाप्त
केवल विलासिता की वस्तुएँ (रेशम, मसाले)
भूमध्यसागर में कुछ व्यापार जीवित रहा (Byzantine क्षेत्र)
➡️ पश्चिमी यूरोप लगभग आर्थिक रूप से अलग-थलग था।
5. मुद्रा और कर प्रणाली

सिक्कों का प्रयोग घट गया
कर वस्तुओं में लिया जाने लगा
अनाज
श्रम
पशु
राजा और सामंत दोनों की आय
👉 भूमि से जुड़ी हुई थी, व्यापार से नहीं।
6. चर्च की आर्थिक भूमिका
चर्च इस दौर की सबसे अमीर संस्था बन गया।
विशाल भूमि स्वामित्व
दशमांश (Tithe)
दान और विरासत
मठ (Monasteries)—
बड़े कृषि केंद्र
भंडारण और उत्पादन के स्थान
कभी-कभी स्थानीय व्यापार के केंद्र भी
➡️ चर्च = धार्मिक + आर्थिक शक्ति
7. श्रम व्यवस्था और सामाजिक अर्थशास्त्र
दास प्रथा धीरे-धीरे घटती गई
उसकी जगह सर्फ़ प्रथा आई
किसान भूमि से बंधा हुआ
यह व्यवस्था—
उत्पादन को स्थिर बनाती थी
लेकिन नवाचार और विकास रोकती थी
8. क्षेत्रीय भिन्नताएँ
पश्चिमी यूरोप: आर्थिक पिछड़ापन
पूर्वी रोमन साम्राज्य (Byzantine):
मुद्रा
व्यापार
शहरी जीवन अपेक्षाकृत सुरक्षित
➡️ यही कारण है कि पूर्व और पश्चिम यूरोप के विकास में अंतर दिखता है।
निष्कर्ष (याद रखने योग्य बात)
Early Mediaeval Europe की आर्थिक स्थिति की मुख्य विशेषताएँ थीं—
कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था
नगर और व्यापार का पतन
मैनर आधारित आत्मनिर्भर प्रणाली
मुद्रा की कमी
चर्च का आर्थिक प्रभुत्व
यह युग आर्थिक ठहराव (economic stagnation) का था,
लेकिन इसी ठहराव ने आगे चलकर
High Medieval Europe की आर्थिक क्रांति की नींव रखी।